विश्व बंधुत्व की राह पर अग्रसर है भारत : डॉ. रामदास अठावले

हकेवि में राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिस तरह से विदेश नीति के मोर्चे पर सबका साथ सबका विकास और विश्व बंधुत्व के भाव को प्रचारित-प्रसारित किया है वह हमारी पुरातन सभ्यता व संस्कृति का सर्वोत्तम उदाहरण है। बात चाहे पड़ोसी देशों की हो या विश्व के विकसित व विकासशील राष्ट्रों की। 2014 के बाद से जिस तरह से भारत के प्रति विश्व समुदाय का नजरिया बदला है, वह सराहना के योग्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों का ही नतीजा है कि आज भारत विश्व पटल पर अपनी एक अलग पहचान रखता है। पड़ोसी देशों की बात करें तो पाकिस्तान व चीन के स्तर पर लगातार भारत को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बावजूद उसके हम अपने अन्य पड़ोसी नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश व म्यांमार आदि के साथ मिलकर विकास के पथ पर अग्रसर है। यह विचार भारत सरकार में राज्य मंत्री डॉ. रामदास अठावले ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आयोजित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रायोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

विवि के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा ब्रिक्स फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस 2 दिवसीय सम्मेलन में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से शामिल हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सम्मलेन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत निरंतर विश्व शांति के मार्ग पर अग्रसर है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. आनंद शर्मा, राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजीव कुमार सिंह, सुश्री श्वेता सोहल, भूगोल विभाग के प्रभारी मनीष कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

हकेंवि में राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन, कुलपति ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखा किया रवाना

हकेंवि में पोषण माह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थी व शिक्षकों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 29 सितम्बर (परमजीत, मोहन): खान-पान के मोर्चे पर पोषण के महत्व को देखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन कर रहा है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा आयोजितइसकार्यक्रम मेंविश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पोषण जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति ने सभी को खान-पान के मोर्चे पर विशेष सावधानी बरतने और पोषण के प्रति जागरूक रहने की सीख दी।

कुलपति ने इस मौके पर उपस्थित विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को पोषण जागरूकता के लिए कुछ महत्वपूर्ण नारे भी सुझाए, जिनमें खाने को दवा बनने दो, नहीं तो दवा ही भोजन होगी, कभी पेट को पूरा मत भरने दो आदि प्रमुख थे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में बेहद जरूरी है कि हम खान-पान के मामले में विशेष एहतियात बरतें और स्वाद से अधिक महत्व पोषण को दें। पोषण जीव विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि आयोजन के अंतर्गत 28 से 30 सितम्बर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, इनमें पोषण के महत्व पर केंद्रित पोस्टर मेकिंग, निबंध लेखन, स्लोगन राइटिंग, डिबेट आदि के साथ-साथ जागरूकता रैली प्रमुख है। इसी क्रम में कोविड के बाद के रोगियों के लिए आहार प्रबंधन विषय पर केंद्रित एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन भी किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी प्रयासों के अंतर्गत विद्यार्थियों व शिक्षकों का समूह स्थानीय स्कूल में जाकर बच्चों को स्वस्थ पोषण के बारे में जागरूक करेगा।

विश्वविद्यालय में निकाली गई जागरूकता रैली के अवसर पर विभाग के सभी शिक्षक डा. अश्विनी कुमार, डा. सविता बुधवार, डा. तेजपाल ढेवा एवं डा. अनीता कुमारी सहित अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रंजन अनेजा भी विद्यार्थियों व शोधार्थियों के साथ उपस्थित रहे।

हकेंवि में राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : पोषण के महत्व को देखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन कर रहा है। विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पोषण जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति ने सभी को खान-पान के मोर्चे पर विशेष सावधानी बरतने और पोषण के प्रति जागरूक रहने की सीख दी। कुलपति ने इस मौके पर उपस्थित विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को पोषण जागरूकता के लिए कुछ महत्वपूर्ण नारे भी सुझाए। जिनमें खाने को दवा बनने दो, नहीं तो दवा ही भोजन होगी, कभी पेट को पूरा मत भरने दो प्रमुख थे। उन्होंने कहा कि आज के समय में बेहद जरूरी है कि हम खान-पान के मामले में विशेष एहतियात बरतें और स्वाद से अधिक महत्व पोषण को दें।

हकेंवि में पोषण माह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व शिक्षकों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सामार संस्था

पोषण जीव विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि आयोजन के अंतर्गत 28 से 30 सितंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इनमें पोषण के महत्व पर केंद्रित पोस्टर मेकिंग, निबंध लेखन, स्लोगन राइटिंग, डिबेट के साथ-साथ जागरूकता रैली प्रमुख है। इसी क्रम में कोविड के बाद के रोगियों के लिए आहार प्रबंधन विषय पर केंद्रित एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन भी किया जा रहा है। इस आयोजन के अंतर्गत विभाग के सभी शिक्षक स्वस्थ एवं बेहतर पोषण से संबंधित विभिन्न विषयों जागरूकता अभियान में सम्मिलित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय में निकाली गई जागरूकता रैली के अवसर पर विभाग के सभी शिक्षक डा. अश्विनी कुमार, डा. सविता बुधवार, डा. तेजपाल ढेवा एवं डा. अनीता कुमारी सहित अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रंजन अनेजा भी विद्यार्थियों व शोधार्थियों के साथ उपस्थित रहे।

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ शुभारम्भ

विश्व बंधुत्व की राह पर अग्रसर है भारत : डॉ. रामदास अठावले

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिस तरह से विदेश नीति के मोर्चे पर सबका साथ सबका विकास और विश्व बंधुत्व के भाव को प्रचारित-प्रसारित किया है वह हमारी पुरातन सभ्यता व संस्कृति का सर्वोत्तम उदाहरण है। बात चाहे पड़ोसी देशों की हो या विश्व के विकसित व विकासशील राष्ट्रों की। 2014 के बाद से जिस तरह से भारत के प्रति विश्व समुदाय का नजरिया बदला है, वह सराहना के योग्य है।

यह विचार भारत सरकार में राज्यमंत्री डॉ. रामदास अठावले ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आयोजित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा ब्रिक्स फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से शामिल हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को कहा कि भारत निरंतर विश्व शांति के मार्ग पर अग्रसर है और इसमें पड़ोसी देशों की भूमिका सदैव ही महत्त्वपूर्ण रहती है। कुलपति ने कहा कि न सिर्फ पड़ोसी देश बल्कि पड़ोसी देशों के पड़ोसी देश भी हमारे लिए महत्त्वपूर्ण है। कुलपति ने अफगानिस्तान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने जिस तरह से वहां विकास कार्यों में योगदान दिया, वह किसी से छिपा नहीं है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर भारत की शांति पंसद नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि हम आपसी भाई-चारे व प्रेम के साथ सभ्यता, संस्कृति, व्यापार का विकास चाहते हैं।

कार्यक्रम में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय कह कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभागियों को संबोधित किया और वर्ष 2014 के बाद से भारतीय विदेशी नीति विशेषकर पड़ोसी देशों के साथ बदले संबंधों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के द्वारा पड़ोसी देशों के साथ रेल, रोड़, पर्यटन उद्योग आदि के सतर पर बढ़े सहयोग पर भी ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में बाबा भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रो. रिपुसूदन सिंह व जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय भारद्वाज भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के आरंभ में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजबीर दलाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सह-आचार्य व सम्मेलन के समन्वयक डॉ. शांतेष कुमार ने विषय परिचय से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सह-आचार्य डॉ. रमेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, वित्त अधिकारी डॉ. आनंद शर्मा, राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजीव कुमार सिंह, श्वेता सोहल, भूगोल विभाग के प्रभारी मनीष कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

डॉ. रंगनाथन की स्मृति में सालभर हकेंवि करेगा विभिन्न कार्यक्रम

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय हकेवि, महेंद्रगढ़ में पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथन की पुण्यतिथि के अवसर विशेष आयोजन की श्रृंखला शुरू की जा रही है। 2022 में उनकी पुण्यतिथि के 50 वर्ष पूरे होने पर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग ने आगामी 27 सितंबर 2022 तक विभिन्न कार्यक्रमों को कराने की घोषणा की है। साल भर चलने वाले इस आयोजन के केंद्र में डॉ. एसआर रंगनाथन के बाद पुस्तकालय एवं सूचना शिक्षा को रखा गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व व मार्गदर्शन में साल भर चलने वाले इन कार्यक्रमों का शुभारंभ विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ हुआ। इस व्याख्यान का विषय "डॉ एसआर रंगनाथन के साथ कार्य करने की अंतर्दृष्टि" रहा जिसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सेवानिवृत अध्यक्ष, ब्रिटिश काउंसिल लाईब्रेरीज इन इंडिया जयराजन थे। जबकि मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. अल्बीना क्रीम्सकाया, कार्यक्रम में उपस्थित रही।

पुस्तकालय हमेशा से ही प्रासंगिक है

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पुस्तकालय हमेशा से ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज के आधुनिक समय में पुस्तकालयों का स्वरूप बदल रहा है उसी रूप में उनकी भूमिका भी बदल रही है। इस बदलते हुए वातावरण मे आप सबको बदलते हुए सूचना स्त्रोत एवं पाठकों एवं शोधकर्ताओं की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप ही पुस्तकालय सेवा प्रदान करने के तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है और उसी के अनुरूप पुस्तकालय शिक्षा मे बदलाव जरूरी है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज जब हम स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वें वर्ष के अवसर पर अमृत महोत्सव पूरे देश भर में मना रहे हैं तो यह एक मौका है की हम डॉक्टर रंगनाथन जैसे व्यक्तित्व द्वारा किए गए कार्यों को पहचाने एवं उनके किए गए प्रयासों को आगे बढ़ाएं जिससे हमारे देश के पुस्तकालयों की स्थिति बेहतर हो एवं पुस्तकालय एवं सूचना शिक्षा में बेहतर प्रयोग किए जा सके यही नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भी मांग है। कुलपति ने इस एक वर्ष तक किए जाने वाले आयोजन के लिए पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग को बधाई दी। इस अवसर पर प्रोफेसर नीलम सांगवान, डॉक्टर संतोष सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, विभाग अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता उपस्थित रहे।

हकेविवि में डॉ. एसआर रंगनाथन स्मृति में सालभर होंगे कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथन की पुण्यतिथि के अवसर एक वर्षीय विशेष आयोजन की श्रृंखला शुरू की जाएगी। वर्ष 2022 में रंगनाथन की पुण्यतिथि के 50 वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग 27 सिंतबर 2022 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कराने की घोषणा की है।

डॉ. एसआर रंगनाथन के साथ कार्य करने की अंतर्दृष्टि पर आयोजित व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त अध्यक्ष, ब्रिटिश काउंसिल लाइब्रेरीज इन इंडिया पी जयराजन थे। मुख्य अतिथि डॉ. अल्बीना क्रीम्सकाया, जो कि इफला (जो कि पुस्तकालय संघों एवं संस्थाओं का एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है) की शिक्षा एवं प्रशिक्षण अनुभाग की मुखिया है, कार्यक्रम में उपस्थित रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पुस्तकालय हमेशा से ही प्रासंगिक है। आज के आधुनिक समय में पुस्तकालयों का स्वरूप बदल रहा है। बदलते हुए सूचना स्रोत, पाठकों एवं शोधकर्ताओं की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप

व्याख्यान को संबोधित करते कुलपति।

ही पुस्तकालय सेवा प्रदान करने के तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है। पुस्तकालय शिक्षा मे बदलाव जरूरी है।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता पी. जयराजन ने बताया कि वह जब युवा थे तो उन्हें भी डॉ. एस. आर. रंगनाथन के साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कई वर्षों तक रंगनाथन के साथ कार्य किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि डॉ. अल्बीना क्रीम्सकाया ने डॉ. रंगनाथन का रूसी पुस्तकालयों एवं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान शिक्षा पर अपने विचार साझा किए।

विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने पूरे वर्ष चलने वाले इस कार्यक्रम के प्रारूप को सभी के साथ साझा किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, डॉ. संतोष सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, विभाग अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता उपस्थित रहे।

पर्यटन की उद्योग एवं राष्ट्र की आर्थिक उन्नति में अहम भूमिका: प्रो. टंकेश्वर

हकेंवि में विश्व पर्यटन दिवस पर वैबिनार का आयोजन

महेंद्रगढ़, 27 सितम्बर (परमजीत, मोहन): पर्यटन मानव सभ्यता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राचीन काल में ऐसे अनेकों उदाहरण उपलब्ध हैं, जिनसे ज्ञात होता है कि किस तरह से देश-विदेश के विद्वान पर्यटन के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित अध्ययन कार्य किया करते थे। पर्यटन की प्रवृत्ति अध्ययन के लिए बेहद उपयोगी है और यह सदैव ज्ञान के विकास में मददगार साबित होती है। इसलिए शिक्षण संस्थान होने के नाते हमारा दायित्व बनता है कि हम अध्ययन के लिए उपयोगी पर्यटन के विकास की दिशा में आवश्यक प्रयास करें।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्व पर्यटन दिवस 2021 के अवसर पर आयोजित वैबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में टी.बी.ओ. ग्रुप के को-फाऊंडर व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकुश निझावन और ओरिएंटल वेकेशन्स

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पौधारोपण करते विभाग के शिक्षक।

एंड जर्नी के निदेशक डा. मनोज कुमार माट्टा ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि कालांतर से ही विकास की प्रक्रिया पर्यटन के माध्यम से जारी है। पर्यटन न सिर्फ विकास में योगदान देता है अपितु मनुष्य के नजरिए को बदलने का कार्य भी करता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन उद्योग एवं राष्ट्र की आर्थिक उन्नति में अहम भूमिका अदा करता है।

विभाग के अध्यक्ष डा. रणबीर सिंह ने बताया कि वैबिनार में मुख्यातिथि के रूप में हरियाणा के पर्यटन एवं शिक्षा मंत्री कंवर पाल स्वास्थ्य कारणों से शामिल नहीं हो पाए किन्तु उन्होंने अपना बधाई संदेश भेजा और विश्वविद्यालय के प्रयास की सराहना की। विशेषज्ञ वक्ता अंकुश निझावन ने विद्यार्थियों को वर्तमान परिपेक्ष्य एवं पर्यटन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। डा. मनोज माटा ने विद्यार्थियों को कौशल प्रबंधन एवं प्रशिक्षण के महत्व से अवगत कराया एवं पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी।

वैबिनार के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सहायक आचार्य विकास सिवाच ने दिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षकों, विद्यार्थियों के साथ विभाग के सहायक आचार्य शिखा, विकास मोहन एवं डा. दिलबाग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम राज्यस्तरीय माता तारामनी देवी उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह में 32 अध्यापकों को किया गया सम्मानित

जीवन में शिक्षक का महत्व प्राण वायु के समान

जागरण संवाददाता, नारनौल: शिक्षक कभी साधारण नहीं होता। जीवन में शिक्षक का महत्व प्राण वायु के समान है। यह बातें सामाजिक कल्याण एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव ने प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के बैनर तले आयोजित राज्यस्तरीय माता तारामनी देवी उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह में कहीं। कार्यक्रम संयोजक एवं मंच के अध्यक्ष संजय ने बताया कि कार्यक्रम में राज्य के 15 जिलों से 32 अध्यापकों को माता तारामनी देवी उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी समाज कि तरक्की उसके शिक्षकों की बदौलत होती है। जिला महेंद्रगढ़ आज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बना हुआ है तो इसका श्रेय जिले के योग्य शिक्षकों को जाता है। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश लावानिया ने कहा कि शिक्षक समाज को जो दे सकता है, वह किसी अन्य द्वारा संभव नहीं है। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डा. ममता पालीवाल, मनोज लाकड़ा और बसरुद्दीन खान ने कहा कि शिक्षक यदि अपने कर्तव्यों के निर्वहन में सतत रूप से लगा रहे तो वह कभी अपने आप को अवकाश प्राप्त नहीं समझेगा। कार्यक्रम संयोजक संजय शर्मा ने कहा कि शिक्षक का चरित्र केवल उसकी किताबें ही नहीं, अपितु उसका आचरण, उसका व्यवहार, उसके कार्य सभी होते हैं। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट द्वारा यह पांचवां कार्यक्रम है जिसमें राष्ट्रपति और राज्यपाल से सम्मानित शिक्षक पहुंचे हैं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि समाज जब आपके कार्यों को सराहे अथवा सम्मान करें तो यह बड़ी उपलब्धि है। इनके अलावा भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र शर्मा, हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की अध्यक्षा पारिसा शर्मा, डा. रामनिवास मानव ने भी शिक्षकों को संबोधित किया। नरोतम सोनी, राजेश भरद्वाज, गजानंद कौशिक, हितेंद्र बोहरा, अमित शर्मा, लोकेश शर्मा, मुकुल, परसराम कछल, विपिन शर्मा, अरुण शर्मा, विजय शर्मा, कृष्ण शर्मा, युनिक सोनी, गोबिंद शर्मा, रजत कुमार, साक्षी शर्मा, मुकेश दहिया, दीपक शर्मा, विकास यादव, जय भगवान, दुलीचंद शर्मा, नेमीचन्द्र शांडिल्य, प्राचार्य, पंकज गौड़, भीम सेन शर्मा, नरोतम सोनी, बंसी लाल, मनोज आफरिया, योगेंद्र यादव, राकेश शर्मा, सुभाष सिंगला, मीना शर्मा, अनुपमा शर्मा, सोनू भरद्वाज, उर्मिला शर्मा और उषा शर्मा उपस्थित रहीं।

शिक्षिका को सम्मानित करते राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव (संतरी कुर्ते में) ● जागरण

यह शिक्षक किए गए सम्मानित

सम्मानित होने वाले शिक्षकों में डा. ममता पालीवाल भिवानी, मनोज कुमार गुरुग्राम, बसरुदीन खां नूंह, शोभा भारद्वाज रेवाड़ी, संजय गुप्ता नूंह, भुदत शर्मा भाकली, राजकुमार सलेमगढ़ फतेहाबाद, राजेन्द्र शर्मा प्राचार्य झज्जर, राजेश वशिष्ट जींद, अनंत पाल जींद, डा. रणजीत सिंह फुलिया कुरूक्षेत्र, डा. रमाकांत शर्मा भिवानी, डा. हर्ष भिवानी, कपिल जैन, राजपाल आसिवाल पलवल, अशवनी घिघडाका, सेवा सिंह मुवाल फतेहाबाद, मंजू गुरुग्राम, डा. अनूप फरीदाबाद, कमलेश गुरुग्राम, शिव नारायण पटौदी, डा. राजेंद्र प्रवक्ता आदमपुर, डा. यशवीर, हिसार, पवन हिसार, उषा जींद, राजेश रोहतक, गायत्री देवी रोहतक, राजेश कुमार कलानौर, सत्य सुधा दादरी, निहाल सिंह प्राचार्य नारनौल और अशोक यादव को अमरपुर नारनौल को माता तारामनी देवी उत्कृष्ट सम्मान मिला।

15 जिलों के 32 अध्यापकों को दिया उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान

शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि व सम्मानित अध्यापक। संवाद

नारनौल। शिक्षक कभी साधारण नहीं होता, सृजन और विनाश शिक्षक की गोद में पलता है। जीवन में शिक्षक का महत्व प्राण वायु के सामान है। समाज के लिए शिक्षक की उपयोगिता जीवन पर्यंत बनी रहती है। यह बातें सामाजिक कल्याण एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने राज्य स्तरीय माता तारामनी देवी उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए कही।

कार्यक्रम संयोजक संजय शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में राज्य के 15 जिलों से 32 अध्यापकों को माता तारामनी देवी उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टन्केश्वर कुमार ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की अध्यक्षा पारिसा शर्मा, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश लावानिया, भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र शर्मा मौजूद रहे।

प्रो. टन्केश्वर कुमार ने कहा कि किसी समाज की तरक्की उसके शिक्षकों की बदौलत है। जिला महेंद्रगढ़ आज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बना हुआ है तो इसका श्रेय जिले के योग्य शिक्षकों को जाता है। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ. ममता, मनोज लाकड़ा और बसरुदीन खान ने कहा कि शिक्षक यदि अपने कर्तव्यों के निर्वहन में सतत रूप से लगा रहे तो वह कभी अपने आप को अवकाश प्राप्त नहीं समझेगा। संजय शर्मा ने कहा कि शिक्षक का चरित्र केवल उसकी किताबें ही नहीं अपितु उसका आचरण, उसका व्यवहार, उसके कार्य सभी होते है।

जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि समाज जब आपके कार्यों को सराहे अथवा सम्मान करे तो यह बड़ी उपलब्धि है। इसके आलावा महेंद्र शर्मा, पारिसा शर्मा, डॉ. रामनिवास मानव ने भी शिक्षकों को संबोधित किया। ट्रस्ट ने डॉ. ममता पालीवाल, मनोज कुमार लाकड़ा, बसरुदीन खां, शोभा भारद्वाज, संजय गुप्ता, भुदत शर्मा, राजकुमार, राजेंद्र शर्मा, राजेश वशिष्ठ, अनंत पाल, डॉ. रणजीत सिंह, डॉ. रमाकांत शर्मा, डॉ. हर्ष कुमार, कपिल जैन, राजपाल, अशवनी कुमार, सेवा सिंह, मंजू यादव, डॉ. अनूप यादव, कमलेश रानी, शिव नारायण, डॉ. राजेंद्र, डॉ. यशवीर दहिया, पवन कुमार, उषा गुप्ता, राजेश कुमार, गायत्री देवी, राजेश कुमार, सत्य सुधा, निहाल सिंह, अशोक यादव को माता तारामनी देवी उत्कृष्ट सम्मान दिया। इसके अलावा एमबीबीएस व एनआईआई में प्रवेश लेने वाले 51 विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। संवाद

युवाओं में समर्पण व सेवाभाव के विकास में मददगार है एनएसएस–प्रोटंकेश्वर कुमार

नारनौल, राजेश राज गोयल, सेवा की भावना यदि स्वयंसेवकों में होगी तो उन्हें सेवा के साथ-साथ सुख, संतुष्टि की भी प्राप्ति होगी। सेवा भावना और सामाजिक सरोकार से जुड़कर और अपने अहम को खत्म करके युवाओं को जीवन पथ पर आगे बढ़ना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) युवाओं में समर्पण व सेवाभाव के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश?वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश?वर कुमार ने विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सेवा समर्पण की बुनियाद - राष्ट्रीय सेवा योजना विषय पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। एनएसएस के 52वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित इस वेबिनार में हरियाणा प्रांत के एनएसएस राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. भगत सिंह, मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के कार्यक्रम समन्वक डॉ. बाला लखेन्द्रशामिल हुए। कुलपति ने कहा कि हमें हर रोज कुछ समय समाज को, सामाजिक कार्यों को देना चाहिएऔर सेवा को जीवन का अभिन?न अंग बनाना होगा। कुलपति ने इस अवसर पर कैंपस टू कम्युनिटी का मंत्र भी दिया। कुलपति ने कहा किस्वच्छता कार्य योजना को अपना कर ही भावी पीढ़ी को स्वच्छता के

प्रति नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इसके लिए सभी प्रतिभागियों ने संकल्प लेते हुए कहा कि स्वच्छ भारत बनाने में हम सब मिलकर एक साथ भागीदार बनने के लिए तत्पर रहेंगे।कुलपति ने इस मौके पर हकेंवि के स्वयंसेवक अलोक नाथ पांडेय एवं हेमंत कुमार को विश्वविद्यालय का नामरोशन करने के लिए बधाई दी।हरियाणा प्रांत के एनएसएस राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. भगत सिंह ने कहा कि हमारे स्वयंसेवक निःस्वार्थ भाव से समाज में विभिन्न सेवा के कार्यों से जुड़े होते हैं। और इन गतिविधियों के माध्यम से हमारे स्वयंसेवक बहुत कुछ जीवन उपयोगी सीखते हैंऔर उसके साथ साथ एनएसएस की गतिविधियां व्यक्तित्व विकास में भी बहुत अहम भूमिका अदा करती है।

मुख्य वक्ता डॉ. बाला लखेन्द्र ने अपने उद्बोधन में पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती पर उनके दिखाए मार्ग पर चलने पर प्रेरित किया। अगर युवा विश्वास से भरे होंगे तो इस राष्ट्र को विकास करने से कोई नहीं रोक सकता है और आज जब हम आजादी का 75वां वर्ष मना रहे हैं इसमें कुछ प्रण हमें लेने होंगे, जिससे समाज में व्यापक कुरीतियां मिट सके और समाज के साथ साथ स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो, स्वच्छ राष्ट्र का निर्माण हो,सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण हो। उन्होंनेवेबिनार में शामिल स्वयंसेवकों से आधे घंटे रोजाना देश हित में सेवाकार्य करने का अपील किये।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव ने अपने विचार रखते हुए कहा कि युवा पीढ़ी ही है जो किसी देश का सर्वोत्तम संसाधन है। अगर युवाओं को हम सही दिशा दे देंगे तो वे देश को भी सही दिशा में ले कर जाएंगे, तभी किसी राष्ट्र का विकास संभव है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ताने सभी का स्वागत किया। वहीं, हकेंवि के एनएसएस समन्वक डॉ. दिनेश चहल ने वेबिनार में शामिल अतिथियों का स्वागत करते हुए वेबिनार का सफलतापूर्वक संचालन किये।इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान,डॉ.आनंद शर्मा, सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रभारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोद्यार्थी उपस्थित रहे।

हर रोज कुछ सीखें, अपने इतिहास और कर्त्तव्यों को जाने - प्रो. टंकेश्वर कुमार

-हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़ , एनसीआर हरियाणा (प्रदीप बालरोडिया)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विज्ञान प्रभा के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय की अंतःविषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ द्वारा आयोजित इस व्याख्यान में

विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव जे. सहस्त्रबुद्धे मुख्य अतिथि तथा विज्ञान भारती के सचिव प्रवीन रामदास व हरियाणा विज्ञान भारती की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित इस व्याख्यान के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत वर्ष भर से अधिक समय तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों से हमें अपने इतिहास के बारे में जानने का अवसर तो मिलेगा ही साथ ही हम अपने कर्त्तव्यों से भी रूबरू हो सकेंगे।

स्वतंत्रता संघर्ष में वैज्ञानिकों की भूमिका विषय पर आयोजित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में कुलपति ने कहा कि कोई भी लड़ाई वैज्ञानिकों के बिना जीतना संभव नहीं है। उन्होंने कहा विज्ञान आज से नहीं बल्कि पुरातन काल से चल रहा है और वैज्ञानिक दृष्टि से भारत हमेशा से सुदृढ़ रहा है। हमारे ऋषियों मुनियों ने आत्मसंयम का जो ज्ञान दिया उसमें भी विज्ञान निहित है। कुलपति ने कहा कि हर रोज कुछ सीखें, अपने इतिहास और कर्त्तव्यों को जाने। बड़े बड़े अविष्कार, रक्षा अनुसंधान से जुड़े हैं जोकि बाद में सामान्य जन को लाभांवित करते हैं। आज सियाचिन में तैनात सैनिक विज्ञान के बल पर ही जंग लड़ पाते हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में तैनात विभिन्न सशस्त्र बलों के सैनिकों की अपनी-अपनी आवश्यकताएं हैं जिनकी पूर्ति विज्ञान के द्वारा ही संभव हो पाती है। उन्होंने कहा कि अध्यात्म मानवता लाता है जो कि महत्त्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जे. सहस्त्रबुद्धे ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत कैसा हो। यह विचार हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के मन में था। उनका विचार गौरवपूर्ण भारत का निर्माण करना था। भारत रत्न एपीजे अब्दुल कलाम के शब्दों में कहें तो भारत फिर से गौरवशाली तब बनेगा जब हमारे यहां विश्व के विकसित देशों के छात्र पढ़ने आयेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रवीन रामदास ने कहा कि हजारों सालों में भारतीयों ने कभी गुलामी को स्वीकार नहीं किया और उसके खिलाफ लड़ते रहे। यही कारण है कि आज हम स्वतंत्रता प्राप्त कर सके और अपनी संस्कृति को बचा सके। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान पर चर्चा देश के सभी विभाग और मंत्रालय मिलकर कर रहे हैं। जिसका आरंभ आचार्य प्रफुल्ल चंद राय की जयंती से हो चुका है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने कुलपति महोदय का परिचय दिया। विश्वविद्यालय की अंतःविषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की व अतिथियों का स्वागत किया। मंच का संचालन सहायक आचार्य डॉ. नम्रता ढाका ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन सहआचार्य डॉ. दिनेश कुमार ने दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हर रोज कुछ सीखें, अपने इतिहास और कर्त्तव्यों को जाने :- प्रो. टंकेश्वर कुमार

रणघोष न्यूज़ महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विज्ञान प्रभा के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय की अंतःविषयी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पीठ द्वारा आयोजित इस व्याख्यान में विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव जे. सहस्त्रबुद्धे मुख्य अतिथि तथा विज्ञान भारती के सचिव प्रवीन रामदास व हरियाणा विज्ञान भारती की उपाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित इस व्याख्यान के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के

बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। आज सियाचिन में तैनात सैनिक विज्ञान के बल पर ही जंग लड़ पाते हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में तैनात विभिन्न सशस्त्र बलों के सैनिकों की अपनी-अपनी आवश्यकताएं हैं जिनकी पूर्ति विज्ञान के द्वारा ही संभव हो पाती है। उन्होंने कहा कि अध्यात्म मानवता लाता है जो कि महत्त्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जे. सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत कैसा हो। यह विचार हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के मन में था। उनका विचार गौरवपूर्ण भारत का निर्माण करना था। भारत रत्न एपीजे अब्दुल कलाम के शब्दों में कहें तो भारत फिर से गौरवशाली तब बनेगा जब हमारे यहां विश्व के विकसित देशों के छात्र पढ़ने आयेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रवीन रामदास ने कहा कि हजारों सालों में भारतीयों ने कभी गुलामी को स्वीकार नहीं किया और उसके खिलाफ लड़ते रहे। यही कारण है कि आज हम स्वतंत्रता प्राप्त कर सके और अपनी संस्कृति को बचा सके। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान पर चर्चा देश के सभी विभाग और मंत्रालय मिलकर कर रहे हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के 75 गौरवशाली वर्षों पर की चर्चा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मौलिक विज्ञान पीठ ने गणित विभाग के सहयोग से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषय पर विज्ञानोत्सव प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में अर्पित दुबे व टीम को मास्क डिटेक्टिंग ऑटोमेटिक डोर में प्रथम पुरस्कार, अक्षतकांत की टीम को ड्यूल फ्यूज्ड डिपोजिशन मॉडलिंग (एफडीएम) 3डी प्रिंटर में द्वितीय, विजयन शर्मा, टीम को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रोबोट के लिए तृतीय पुरस्कार, धनराज, टीम को नेत्र संचालित स्मार्ट व्हील चेयर के लिए प्रथम सांत्वना पुरस्कार मिला और डिक्स पटेल और टीम को अंतरिक्ष में लेजर संचार के लिए दूसरा सांत्वना पुरस्कार मिला। कुलपति ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

कुलपति ने स्वतंत्रता के बाद विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए विकास की चर्चा की। डॉ. गुंजन गोयल ने प्रो. पीके अहलुवालिया का परिचय प्रस्तुत किया। प्रो. अहलुवालिया ने भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के 75 गौरवशाली वर्ष के बारे में चर्चा की। इस दौरान नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. सुनील कुमार समेत करीब 200 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। संवाद

हकेवि की डॉ.सुनीता अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में हुईं शामिल

भास्कर न्यूज | महेन्द्रगढ़

इंटरनेशनल ट्रेनिंग एसटीआई पॉलिसी फॉर सोशियो इकोनोमिक डेवलपमेंट (एसपीईडी), मलेशिया द्वारा आयोजित विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ डॉ. सुनीता तंवर ने प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विभाग में सहायक आचार्य डॉ. सुनीता तंवर का चयन इस कार्यक्रम हेतु विशेष चयन प्रक्रिया के माध्यम से हुआ। डॉ. तंवर के अतिरिक्त इस कार्यक्रम में नेपाल, भूटान, इंडोनेशिया, मलेशिया, क्यूबा और मंगोलिया आदि कोपरेशन देशों के प्रतिभागी भी शामिल हुए। जिनके बीच डॉ. तंवर को उनके उल्लेखनीय योगदान व टीमवर्क के स्तर पर नीति निर्धारण व क्रियान्वयन हेतु प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम प्रमुख रूप से मध्यम से वरिष्ठ स्तर के नीति निर्धारक जो कि एकेडमिया इंडस्ट्री तथा सरकारी संस्थानों में नीति निर्धारण में कार्यरत हैं, उनको प्रशिक्षित किया जाता है। यह कार्यक्रम इंटरनेशनल साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन सेंटर फॉर साउथ-साउथ कोपरेशन सेंटर द्वारा यूनेस्को के तत्वावधान में मलेशिया में आयोजित किया गया। आईएसटीआईसी नामक यह साझेदारी अफ्रीकन साइंस, टेक्नोलॉजी और पॉलिसी इंस्टीट्यूट के स्तर पर क्षमता विकास हेतु कार्य करते हैं। विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य डॉ. सुनीता तंवर ने इस आयोजन में ऑनलाइन भागीदारी की।

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ में साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के अंतर्गत संचालित कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने डिजीटल संसार में सुरक्षा और गोपनीयता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजीटल इंडिया के सपने को मजबूत साइबर सिक्योरिटी के माध्यम से ही पूर्ण किया जा सकता है क्योंकि साइबर अपराधी डिजीटल सुरक्षा तंत्र में खामियों का लाभ उठाकर ही हमें नुकसान पहुंचाते हैं इसलिए हमें डिजीटल रूप से साक्षर होना है।

बौद्धिक संपदा अधिकार से होती है शोध की पहचान

महेंद्रगढ़। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि),महेंद्रगढ़ के कंप्यूटर साइंस एवं इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) - पेटेंट और डिजाइन प्रक्रिया विषय पर बुधवार को ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अनुसंधान की सही पहचान पेटेंट के रूप में होती है और इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों में पेटेंट प्रक्रिया के प्रावधानों के प्रति समझा विकसित होती है। कार्यक्रम की शुरुआत कुलगीत के साथ हुई। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यशाला में देशभर से 146 प्राध्यापकों, 259 छात्रों ने नामांकन किया। कार्यशाला मे अंतरराष्ट्रीय सत्र के भी नामांकन शामिल रहे।

आरक्षण संघर्ष समिति के शिष्टमंडल ने नए कुलपति से मुलाकात कर अपनी मांगों से करवाया अवगत

- कुलपति द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद से पिछले 10 वर्षों से चले आ रहे आंदोलन के समाप्त होने की जगी उम्मीद
- शिष्ट मंडल ने विवि कर्मियों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार में संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने को लेकर सौंपा ज्ञापन

भास्कर न्यूज | आकोदा

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट -पाली की स्थापना से आरक्षण संघर्ष समिति के बैनर के तले चल रहा आंदोलन शीघ्र ही समाप्त होगा। पिछले 10 वर्ष से नौकरियों और दाखिलो में आरक्षण की मांग को लेकर जाट- पाली के ग्रामीण समय-समय पर विश्वविद्यालय के खिलाफ आंदोलन करते रहे हैं, परंतु विश्वविद्यालय में नए कुलपति टकेश्वर के आने के उपरांत ग्रामीणों को जो आस बंधी थी कि उनकी मांगे शीघ्र ही पूरी हो जाएंगी। अब विश्वविद्यालय ने उस तरफ कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।

मंगलवार को ग्रामीणों का एक शिष्टमंडल समिति के संयोजक कैलाश पाली के नेतृत्व में कुलपति से मिला। जिसे विश्वविद्यालय की तरफ से यह आश्वासन दिया गया कि यहां पर चलने वाले प्रत्येक कोर्स में 1-1 शीट जाट - पाली के ग्रामीणों के लिए इसी सत्र से आरक्षित कर दी जाएगी साथ ही जिन किसानों की जमीन विश्वविद्यालय द्वारा अधिकृत की गई है उन्हें भी वरीयता के आधार पर नौकरी देने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। कैलाश पाली ने बताया कि इस विश्वविद्यालय के लिए जाट- पाली दोनों गांव में 525 एकड़ जमीन मुफ्त में उपलब्ध करवाई थी, परंतु कुछ स्थानीय नेताओं ने मिलीभगत करके दोनों गांव को जो आरक्षण की बात कही गई थी उससे वंचित कर दिया था और तभी से हमारा आंदोलन अपने हक पाने के लिए निरंतर चल रहा था नए कुलपति आने के बाद जो आस बनी थी वह शीघ्र ही विश्वास में परिवर्तित हो रही है और ग्रामीणों का सांझा संघर्ष विजय की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि आरक्षण शुरू होने के बाद आने वाले समय में इन गांवों के विद्यार्थी भी अच्छी शिक्षा विश्वविद्यालय में प्राप्त कर सकेंगे। मंगलवार को ग्रामीणों ने कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपकर पिछले पांच वर्ष से विश्वविद्यालय में कर्मचारियों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार में संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने मामले की जांच करते हुए कुछ अधिकारियों को दोषी पाया है। जिनमें एक प्रोफेसर का नाम लगातार सामने आ रहा है। जिसके खिलाफ भी उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर कार्रवाई की जाए। इस मौके पर विनोद पाली, सूबेदार महेंद्र सिंह, कवर सिह, बाबा जयराम दास मन्दिर कमेटी के प्रधान सूबेदार राम अवतार सिंह, सूबेदार देशराज सिंह, बीडीसी सदस्य प्रेम फौजी, प्रकाश चन्द, रमेश, वीरेंद्र तंवर , मिठू तंवर आदि उपस्थित रहे।

उम्मीदः जल्द खत्म होगा दस वर्षों से चला आ रहा संघर्ष

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दाखिले एवं नौकरियों में आरक्षण की मांग को लेकर पिछले दस वर्षों से संघर्ष कर रही आरक्षण संघर्ष समिति के सदस्यों को अब संघर्ष थमने की उम्मीद जगी है। सोमवार को आरक्षण संघर्ष समिति के सदस्यों ने विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मिलकर ज्ञापन सौंपा था। कुलपति द्वारा इसी सत्र से दाखिलों में गांव जाट व पाली की एक-एक सीट प्रत्येक कोर्स में आरक्षित करने तथा जिन किसानों की जमीन विवि निर्माण के दौरान अधिग्रहण की थी उन किसान परिवारों को वरीयता के आधार पर नौकरी देने का आश्वासन दिया गया।

समिति सदस्यों के साथ कुलपति की हुई बातचीत को सकारात्मक मानते हुए अब संघर्ष समिति को भी उम्मीद है कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा समिति की मांगों पर सार्थक कदम उठाया जाएगा। बता दें कि हकेंविवि में दाखिलों एवं नौकरियों में आरक्षण की मांग को लेकर संघर्ष समिति पिछले दस वर्षों से संघर्ष कर रही है।

संघर्ष समिति के संयोजक कैलाश पाली ने बताया कि विश्वविद्यालय के लिए गांव जाट व पाली ने 525 एकड़ जमीन निशुल्क में उपलब्ध करवाई थी। लेकिन कुछ स्थानीय नेताओं ने मिलीभगत करके दोनों गांव को जो आरक्षण की बात कही गई थी उससे वंचित कर दिया था। उसी समय

कुलपति ने संघर्ष समिति के शिष्टमंडल को दिया आश्वासन

से हक पाने के लिए आंदोलन किया जा रहा था। कैलाश पाली ने बताया कि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के साथ हुए दुर्व्यवहार की जांच राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने करते हुए यहां के कुछ अधिकारियों को दोषी पाया है, उन पर भी शीघ्र कानूनी कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों का आरोप है कि विश्वविद्यालय में जितनी अनियमितता हुई है उनमें एक प्रोफेसर का नाम लगातार आ रहा है। उसके विरुद्ध एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनाकर कानूनी कार्रवाई की मांग भी कुलपति से की गई। इस मौके पर विनोद पाली, सूबेदार महेंद्र सिंह, कंवर सिंह, बाबा जयराम दास मंदिर कमेटी के प्रधान सूबेदार राम अवतार सिंह, सूबेदार देशराज सिंह, बीडीसी सदस्य प्रेम फौजी, प्रकाशचंद, रमेश, वीरेंद्र तंवर, मिठ्ठू मौजूद रहे।

हरिभूमि
रोहतक - मुख्य संस्करण
21 Sep 2021

राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार से आलोक को सम्मानित करेंगे राष्ट्रपति, उपलब्धि पर बधाई दी

महेंद्रगढ़। हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ आलोक, शिक्षणगण व अधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

देशभर में निःस्वार्थ एवं स्वेच्छापूर्वक सेवाकार्य कर रहे 40-45 लाख राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों में आलोक नाथ पाण्डेय का राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार 2019-20 के लिए चयन हुआ है। आलोक शैक्षणिक सत्र 2019-20 में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एमसीए में अध्ययरत था। इस पुरस्कार के तहत आलोक को एक लाख रुपये, प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आलोक को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कुलपति ने बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के विद्यार्थी हेमंत को भी गणतंत्र दिवस परेड में भागीदारी के लिए सम्मानित किया। हकेंवि के एनएसएस समन्वयक डा. दिनेश चहल ने बताया कि देशभर से तीन श्रेणियों में बेस्ट कार्यक्रम समन्वयक, कार्यक्रम पदाधिकारी व स्वयंसेवक के लिए बेहतर कार्य के लिए चयनित किया जाता है। आलोक को यह पुरस्कार सामाजिक सरोकार व सामुदायिक विकास के असाधारण सेवाकार्यों के लिए प्रदान किया जा रहा है। आलोक ने अपने छात्र जीवन मास्टर्स के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों जैसे की वृक्षारोपण अभियान, रक्तदान, स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया, मतदाता जागरूकता अभियान, प्रारंभिक व प्रोफेशनल प्राथमिक उपचार की ट्रेनिंग, जारूकता हेतु नुक्कड़ नाटक, हरियाणा विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान वृद्ध व दिव्यांगजनो को वाहन सेवा प्रदान कर मताधिकार प्रयोग करवाने आदि में बढ़-चढ़कर हिस्सा दिलाया और छात्र-छात्राओं में होने वाले भेदभाव को कम करने के दिशा में कार्य करते हुए जेंडर चैंपियन के रूप में चयनित भी किया गया।

आलोक को सम्मानित करेंगे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

हकेंविवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के साथ आलोक, शिक्षकगण व अधिकारी। संवाद

महेंद्रगढ़। देशभर में निःस्वार्थ एवं स्वेच्छापूर्वक सेवाकार्य कर रहे करीब 45 लाख राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों में से आलोक नाथ पांडेय का राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार 2019-20 के लिए चयन हुआ है। आलोक शैक्षणिक सत्र 2019-20 में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में एमसीए में अध्ययरत था। आलोक भारत के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एकमात्र छात्र है, जिसे यह पुरस्कार प्राप्त होगा।

यह पुरस्कार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 24 सितंबर 2021 को नई दिल्ली में भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा प्रदान किया जाएगा। आलोक को यह पुरस्कार सामाजिक सरोकार व सामुदायिक विकास के असाधारण सेवाकार्यों के लिए प्रदान किया जा रहा है। इस पुरस्कार के तहत आलोक को एक लाख रूपये, प्रशस्ति पत्र, मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आलोक को इस उपलब्धि पर बधाई दी। वहीं उन्होंने बी.टेक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के विद्यार्थी हेमंत को भी गणतंत्र दिवस परेड में भागीदारी के लिए सम्मानित किया। संवाद

राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन व उसके व्यावहारिक उपयोग में तकनीकी बदलाव बहुत महत्वपूर्ण

जागरण संवाददाता, नारनौल: हिंदी के प्रचार-प्रसार में तकनीक का योगदान महत्वपूर्ण है। आज के समय में कंप्यूटर का उपयोग करते समय भाषा की बाध्यता समाप्त हो गई है। कंप्यूटर पर हिंदी में काम करना बेहद आसान हो गया है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित आनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर में वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डा. राजीव रावत विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ शुरू हुई कार्यशाला में कुलपति का परिचय हिंदी प्रोत्साहन समिति के संयोजक व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने प्रस्तुत किया। कुलपति ने अपने संबोधन में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें इन्हें अपनाकर आगे बढ़ना होगा। विशेषज्ञ वक्ता का परिचय विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डा. प्रमोद कुमार ने प्रस्तुत किया। डा. राजीव रावत ने अपने संबोधन में हिंदी के अधिकतम उपयोग में तकनीक के योगदान के विषय में बताया और हिंदी टाइपिंग से लेकर बोलकर टाइप करने की तकनीक से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। डा. रावत ने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने में मददगार विभिन्न प्रयासों का प्रायोगिक प्रशिक्षण से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। हिंदी प्रोत्साहन समिति के सदस्य डा. अजयपाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सफलतम संचालन सहायक आचार्य डा. शंकर लाल ने किया। कार्यशाला में प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सारिका शर्मा सहित विवि की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी आनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

हकेवि में हिंदी कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ●साभार हकेवि

अग्रवाल सभा भवन में उत्कृष्ट शिक्षक होंगे सम्मानित

जासं, नारनौल : प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट नारनौल के तत्वावधान में होने वाले राज्य स्तरीय माता तारामणी देवी उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह 26 सितंबर को दस बजे अग्रवाल सभा भवन में किया जाएगा। संयोजक एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मान प्रदान किया जाता है। डा जितेंद्र भारद्वाज एवं नरोत्तम सोनी ने कहा कि राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि मंत्री ओम प्रकाश यादव और अध्यक्षता वाइस चांसलर टंकेश्वर प्रसाद निमंत्रित हैं।

हिंदी के अधिकतम उपयोग में तकनीक के योगदान पर मंथन

हिंदी कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे हिंदी पखवाड़ा के तहत हिंदी के अधिकतम उपयोग में तकनीक के योगदान विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला की गई।

इसमें वक्ताओं ने राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन और उसके व्यावहारिक उपयोग की दिशा में तकनीकी बदलावों को महत्वपूर्ण बताते हुए इन्हें अपनाकर आगे बढ़ने पर विचार-विमर्श किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हिंदी के प्रचार-प्रसार में तकनीक का योगदान महत्वपूर्ण है। आज के समय में कंप्यूटर का उपयोग करते समय भाषा की बाध्यता समाप्त हो गई है। इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर में वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव रावत विशेषज्ञ के रूप मेंउपस्थित रहे। डॉ.राजीव रावत ने अपने संबोधन में हिंदी के अधिकतम उपयोग में तकनीक के योगदान के विषय में बताया और हिंदी टाइपिंग से लेकर बोलकर टाइप करने की तकनीक से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यशाला के अंत हिंदी प्रोत्साहन समिति के सदस्य डॉ. अजयपाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ.शंकरलाल ने किया। कार्यशाला में प्रो.संजीव कुमार, प्रो.सारिका शर्मा सहित विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

शिक्षण, शोध व नवाचार के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे

- हकेवि व जेसीबोस विश्वविद्यालय ने समझौते पर किए हस्ताक्षर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शिक्षा, शोध व नवाचार के क्षेत्र में संसाधनों व शैक्षणिक मोर्चे पर अब हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व जेसीबोस विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद मिलकर काम करेंगे। दोनों ही विश्वविद्यालयों ने इस संबंध में आपसी साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद अब विश्वविद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी एक-दूसरे के यहां उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों का मिलकर उपयोग कर सकेंगे। समझौता ज्ञापन पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा जेसीबोस विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति डॉ. दिनेश अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए। जेसीबोस विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हुई इस साझेदारी के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के निदेशक डॉ. विकास गर्ग भी उपस्थित थे।

तकनीक में सहयोग

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस एमओयू का उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग के साथ-साथ नवीनतम तकनीक में सहयोग प्रदान करना, दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान क्षेत्रों को साझा करना, रिसर्च परियोजनाओं हेतु शोधार्थियों को आदान-प्रदान करना है। सहयोग के लिए दोनों संस्थान एक मोर्चे पर आकर कार्य करेंगे।

शिक्षण, शोध व नवाचार के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे हकेंवि व जेसीबोस विश्वविद्यालय

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : शिक्षा, शोध व नवाचार के क्षेत्र में संसाधनों व शैक्षणिक मोर्चे पर अब हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ व जेसीबोस विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद मिलकर काम करेंगे। दोनों ही विश्वविद्यालयों ने इस संबंध में आपसी साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद अब विवि के शिक्षक व विद्यार्थी एक-दूसरे के यहां उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों का मिलकर उपयोग कर सकेंगे। समझौता ज्ञापन पर हरियाणा केंद्रीय विवि की ओर से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार तथा जेसीबोस विज्ञान एवं तकनीकी विवि की ओर से कुलपति डा. दिनेश अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए। हरियाणा केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस एमओयू का उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग के साथ-साथ नवीनतम तकनीक में सहयोग प्रदान करना, दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान क्षेत्रों को साझा करना, रिसर्च परियोजनाओं हेतु शोधार्थियों को आदान-प्रदान करना है। अनुसंधान व शैक्षणिक मोर्चे पर सहयोग के लिए दोनों संस्थान एक मोर्चे पर आकर कार्य करेंगे। विशेष रूप से पीएचडी व एमटेक के स्तर पर शैक्षणिक व तकनीकी सुविधाओं के आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त होगा। जेसीबोस विज्ञान एवं तकनीकी विवि के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हुई यह साझेदारी।

एमओयू पर हस्ताक्षर करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व डा. दिनेश अग्रवाल● सौ हकेंवि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने स्वच्छता योद्धाओं को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय हाउसकिपिंग सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में कार्यरत सफाईकर्मियों को उनके सेवाभाव व योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि हाउसकिपिंग व स्वच्छता से जुड़ें कर्मियों का योगदान कोरोना काल में उल्लेखनीय रहा है और उनकी जितनी सराहना की जाए, वह कम है। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि वैश्विक महामारी के दौरान स्वच्छता योद्धाओं ने सेवा के माध्यम से जो काम किया है वह सराहनीय है।

दूरदर्शन हमारी सांस्कृतिक विरासत

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : दूरदर्शन डे के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से विशेषज्ञ बेबिनार का आयोजन किया गया। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि दूरदर्शन संस्कृतियों तथा सभ्यताओं और हमारी विरासत का प्रतीक है। पहले खबर का मतलब होता था दूरदर्शन पर आना और आज भी भारत के आमजन इसी विश्वासनीयता के साथ इससे जुड़े हुए हैं। उन्होंने दूरदर्शन के 62 वर्ष पूरे होने पर सभी को अपने शुभकामना संदेश में कहा कि आज जरूरत है कि हम दूरदर्शन के संदेश सत्यम शिवम सुंदरम को अपने जीवन में भी आत्मसात करें। मुख्य अतिथि जगन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडीज (जिम्स) के सहायक आचार्य दीपक ने कहा कि आज के समय टेलीविजन मीडिया में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

'संगीत व एडवेंचर जीवन का अविभाज्य अंग'

महेंद्रगढ़। शिक्षा व शोध के साथ संगीत और एडवेंचर जीवन का अविभाज्य अंग है। यह बात वीरवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में योग ट्रैकिंग और एडवेंचर क्लब की ओर से आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार को संबोधित करते हुए एवरेस्ट चोटी पर दो बार तिरंगे को लहराने वाली पद्मश्री संतोष यादव ने कही।

वश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से कहा कि यह सत्य है कि हम पुस्तकों की दुनिया से वास्तविक दुनिया की ओर कम ही जा पाते हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक संकाय अध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार विशिष्ट अतिथि ने कार्यक्रम और वक्ता दोनों को समय अनुकूल बताया। क्लब के कन्वीनर डॉ. अजय पाल ने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम विश्वविद्यालय में होते ही रहने चाहिए ताकि वह अपने अनुसंधान और शिक्षण में ज्यादा केंद्रित हो सकेंगे। संवाद

न्याय व अधिकारों पर केंद्रित पुस्तक का हुआ विमोचन

पुस्तक का विमोचन करते कुलपति व डॉ. संजीव। -संवाद

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि) के विधि विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रदीप कुमार, कोचिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डॉ. अनीश वी. पिल्लई द्वारा संपादित पुस्तक शेडेड जस्टिस एंड राइट्सः पीपुल, पावर एंड पैंडेमिक का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया।

संपादकों की प्रशंसा करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि कोरोना के इस कठिन समय में न्याय और अधिकारों पर केंद्रित यह पुस्तक अकादमिक पेशेवरों के साथ-साथ कानून और चिकित्सा के क्षेत्र में अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए काफी प्रासंगिक है। पुस्तक की पहली प्रति प्रो. टंकेश्वर कुमार को भेंट करते हुए, पुस्तक के संपादक डॉ. प्रदीप सिंह ने कहा कि यह पुस्तक लोकतंत्र, संविधान और मानवाधिकारों में विश्वास को अधिकारों और न्याय के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि पुस्तक मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और कानून, चिकित्सा और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले शोधकर्ताओं की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप है। इस अवसर पर डीन अकादमिक प्रो. संजीव कुमार मौजूद रहे। संवाद

मानसिक स्वच्छता का भारत निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के तहत मनोविज्ञान विभाग की ओर से आयोजित आनलाइन व्याख्यान में विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि बाह्य वातावरण एवं उसके स्वच्छता हम आंखों से देख सकते हैं किंतु मन की मलिनता को देख पाने का कोई साधन हमारे पास नहीं है।

यह केवल व्यक्ति के व्यवहार में ही दृष्टिगोचर होता है। बाहरी स्वच्छता के साथ-साथ यह आवश्यक है कि हम आंतरिक या मानसिक स्वच्छता का ध्यान रखें तथा इसके लिए सदैव प्रयासरत रहें। कुलपति ने कहा कि सेवा से ही खुशी मिलती है। सेवा से मिलने वाली संतुष्टि मानसिक स्वच्छता के लिए परम आवश्यक है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जम्मू विश्वविद्यालय की प्रोफेसर आरती बक्शी ने मानसिक स्वच्छता का महत्व बताते हुए मानसिक प्रदूषण के कारण और उनके निवारण के उपाय भी बताए। प्रोफेसर बख्शी ने कहा कि मानसिक स्वच्छता के लिए अति आवश्यक है कि हम मस्तिष्क में सकारात्मक विचारों का संचरण करें।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने घरों की होली, दिवाली पर विशेष सफाई करते हैं, उसी प्रकार अपने मन मस्तिष्क से भी नकारात्मक विचारों को हटाते हुए उसकी भी नियमित रूप से सफाई करें।

स्वच्छता पखवाड़ा के नोडल आफिसर डा. सुरेंद्र सिंह ने भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए स्वच्छता पखवाड़ा का परिचय दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर दिनेश गुप्ता ने भारतीय संस्कृति की महानता बताते हुए कहा कि उसकी प्राचीन परंपराओं में मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिए सदा से प्रावधान रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. वीएन यादव ने मानसिक स्वच्छता की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि अधिकतर मनोवैज्ञानिक व्याधियों की जड़ में मानसिक अस्वच्छता या दूषित मन ही है। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम की आयोजन सचिव डा. पायल चंदेल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डा. रितु शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शोधार्थी शामिल हुए।

मानसिक स्वच्छता का भारत निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान

महेंद्रगढ़| हकेवि, महेंद्रगढ़ में मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के तहत मनोविज्ञान विभाग की ओर से आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने मानसिक स्वच्छता के महत्व बताते हुए कहा कि बाह्य वातावरण एवं उसके स्वच्छता हम आंखों से देख सकते हैं किंतु मन की मलिनता को देख पाने का कोई साधन हमारे पास नहीं है। यह केवल व्यक्ति के व्यवहार में ही दृष्टिगोचर होता है। बाहरी स्वच्छता के साथ-साथ यह आवश्यक है कि हम आंतरिक या मानसिक स्वच्छता का ध्यान रखें तथा इसके लिए सदैव प्रयासरत रहे। कुलपति ने कहा कि सेवा से ही खुशी मिलती है। सेवा से मिलने वाली संतुष्टि मानसिक स्वच्छता के लिए परम आवश्यक है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जम्मू विश्वविद्यालय की प्रोफेसर आरती बख्शी ने मानसिक स्वच्छता का महत्व बताते हुए मानसिक दूषण के कारण और उनके निवारण के उपाय भी बताए। प्रोफेसर बख्शी ने कहा कि मानसिक स्वच्छता के लिए अति आवश्यक है कि हम मस्तिष्क में सकारात्मक विचारों का संचरण करें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने घरों की होली, दिवाली पर विशेष सफाई करते हैं, उसी प्रकार अपने मन मस्तिष्क से भी नकारात्मक विचारों को हटाते हुए उसकी भी नियमित रूप से सफाई करें। स्वच्छता पखवाड़ा के नोडल ऑफिसर डॉ सुरेंद्र सिंह ने भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए स्वच्छता पखवाड़ा का परिचय दिया।

हकेवि में मनाया गया हिंदी दिवस

महेन्द्रगढ़/ईश्वर तिवारी

भाषा की सरलता, सहजता और शालीनता अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है। हिंदी ने इन पहलुओं को खूबसूरती से समाहित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कथन हिंदी की स्वीकार्यता व उपयोगिता को स्पष्ट करता है। हिंदी वह भाषा है जो समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधती है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं और अवश्य ही इस दिशा में व्यावहारिक प्रयोग से उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की जा सकती है।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित हिंदी पखवाड़े के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय की हिंदी प्रोत्साहन समिति द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत राजभाषा प्रतिज्ञा के साथ हुई। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस आयोजन में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को राजभाषा से प्रेम, उसके प्रयोग हेतु प्रोत्साहन और उसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने की प्रतिज्ञा दिलाई।

कुलपति ने दिलाई राजभाषा प्रतिज्ञा

नारनौल(हप्र) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय , महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित हिंदी पखवाड़े के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भाषा की सरलता, सहजता और शालीनता अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है। हिंदी ने इन पहलुओं को खूबसूरती से समाहित किया है। विश्वविद्यालय की हिंदी प्रोत्साहन समिति द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान की शुरूआत राजभाषा प्रतिज्ञा के साथ हुई। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस आयोजन में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को राजभाषा से प्रेम, उसके प्रयोग हेतु प्रोत्साहन और उसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने की प्रतिज्ञा दिलाई। ऑनलाइन व्याख्यान को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय हिंदी प्रोत्साहन समिति हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

CUH GETS NCTE NOD FOR MPED COURSE

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH) has got the approval from the National Council for Teacher Education (NCTE) to run an MPEd course from the current academic session. Vice-Chancellor Prof Tankeswar has described this course as important for the availability of trained youth in this field. The course will have 40 seats. The process of admission will be started soon and the bachelor of physical education and bachelor of sports science degree holders will be given a chance to get admission in the course, he added.

The Tribune Tue, 14 September 2021 https://epaper.tribune

'हकेंवि में एम.पी.एड. पाठ्यक्रम को मिली एन.सी.टी.ई. की मंजूरी'

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

महेंद्रगढ़, 10 सितम्बर (परमजीत, मोहन): खेलकूद के क्षेत्र में भविष्य निर्माण की चाह रखने वाले युवाओं के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ अब मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एम.पी.एड.) की भी पढ़ाई करवाएगा। विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ के अंतर्गत शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग को नैशनल काऊंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एन.सी.टी.ई.) द्वारा एम.पी.एड. पाठ्यक्रम चलाने की मंजूरी दे दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने खेल के क्षेत्र में रोजगार की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की उपलब्धता हेतु इस पाठ्यक्रम को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम की उपलब्धता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अवश्य ही इससे खेल के क्षेत्र में बढ़ती प्रशिक्षित युवाओं की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय कुलपति ने बताया कि एन.सी.टी.ई. की ओर से मंजूर नए पाठ्यक्रम में इस क्षेत्र से संबंधित शिक्षण-प्रशिक्षण का कार्य व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक पद्धति के अनुरूप किया जाएगा। विश्वविद्यालय को मिली मंजूरी के अनुसार इस कोर्स में सत्र 2021-22 से दाखिले का मार्ग प्रशस्त हो गया है। शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने बताया कि विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम की मंजूरी हेतु एन.सी.टी.ई. द्वारा जून 2021 में निरीक्षण किया गया था, जिसके पश्चात विश्वविद्यालय को इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत 40 सीटों पर दाखिले की आवश्यक मानकों के अनुरूप मंजूरी प्रदान की गई है।

उन्होंने बताया कि इस कोर्स में शीघ्र दाखिले की प्रक्रिया आरंभ की जाएगी और इसमें प्रमुख रूप से बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बी.पी.एड.) तथा बैचलर ऑफ स्पोर्ट्स साइंस के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का अवसर प्रदान किया जाएगा। प्रो. अहलावत ने इस कोर्स को मिली एन.सी.टी.ई. मंजूरी के बाद विश्वविद्यालय कुलपति का आभार व्यक्त किया व विभाग के शिक्षकों डा. जे.पी. भूकर, डा. संदीप ढूल, डा. स्वाति चौधरी डा. कुमार पी. के योगदान की भी सराहना की।

हकेंवि में एमपीएड पाठ्यक्रम को मिली एनसीटीई की मंजूरी

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: खेलकूद के क्षेत्र में भविष्य निर्माण की चाह रखने वाले युवाओं के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ अब मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एमपीएड) की भी पढ़ाई करवाएगा। शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग को नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) के द्वारा एमपीएड. पाठ्यक्रम चलाने की मंजूरी दे दी गई है। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने खेल के क्षेत्र में रोजगार की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की उपलब्धता हेतु इस पाठ्यक्रम को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम की उपलब्धता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अवश्य ही इससे खेल के क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

एनसीटीई की ओर से मंजूर नए पाठ्यक्रम में इस क्षेत्र से संबंधित शिक्षण-प्रशिक्षण का कार्य व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक पद्धति के अनुरूप किया जाएगा। विवि को मिली मंजूरी के अनुसार इस कोर्स में सत्र 2021-22 से दाखिले का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर हुआ कार्यक्रम

महेंद्रगढ़| बात करने से ही बात बनती है। तनाव आज के समय में ऐसी समस्या है जिससे मानव जीवन में हर व्यक्ति कभी न कभी दो-चार होता है और इससे बचाव के लिए जरूरी है कि आपसी संवाद की प्रक्रिया निरंतर जारी रहे। तनाव से मुक्ति की दिशा में मनोविज्ञान की भूमिका महत्वपूर्ण है और इस विषय के ज्ञान के सहारे हम तनाव से पीड़ित व्यक्ति को मरीज बनने से बचा सकते हैं। इसलिए बेहद आवश्यक है कि इस क्षेत्र में सक्रिय युवा व शिक्षक आगे आए और अपने ज्ञान के सहारे समाज में अपने आसपास बढ़ रहे तनाव को खत्म करने के लिए प्रयास करें। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शुक्रवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर मनोविज्ञान विभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

तनाव मुक्ति में मददगार है मनोविज्ञान का ज्ञानः प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि) में शुक्रवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर मनोविज्ञान विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि बात करने से ही बात बनती है। तनाव आज के समय में ऐसी समस्या है जिससे मानव जीवन में हर व्यक्ति कभी न कभी दो-चार होता है और इससे बचाव के लिए जरूरी है कि आपसी संवाद की प्रक्रिया निरंतर जारी रहे। विशेष वक्ता के रूप में इंडियन रिहेबलीटेशन साइक्लोजिस्ट व बाल अधिकार कार्यकर्त्ता डॉ. कृति भारती व पॉलिसी एडवोकेसी एंड गर्वेमेंट फैसीलिटेशन, पैलियम इंडिया की प्रीति ने संबोधित किया। इस दौरान डॉ. कृति भारती, प्रीति ने विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान विभिन्न गतिविधियां कराईं गईं। पोस्टर मेकिंग में स्टेफी मारिया, हरिद्र विवेक संयुक्त रूप से प्रथम, हरिता लक्ष्मी व अनुपम द्वितीय और आरती चौहान, मेरिन लिट्टी जॉन तृतीय स्थान पर रहे जबकि कविता पाठ में दीपक मलिक ने प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों ने आत्महत्या रोकथाम से संबंधित अद्भुत प्रस्तुतियां भी दी। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रितु शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभाग में सह आचार्य डॉ. पायल चंदेल, सहायक आचार्य डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया, डॉ. रवि प्रताप पांडे और डॉ. प्रदीप शर्मा शामिल हुए। संवाद

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) के कुलपति की नियुक्ति

अकादमिक के साथ-साथ प्रशासनिक प्रमुख होने के कारण कुलपति से यह उमीद की जाती है:

● सर्वोच्च स्तर की सक्षमता, सत्यनिष्ठा, नैतिकता और संस्था के प्रति प्रतिबद्धता संपन्न व्यक्ति को ही कुलपति नियुक्त किया जायेगा। कुलपति के रुप में नियुक्त किये जाने वाला व्यक्ति एक विश्वविद्यालय में कम से कम् **10** बर्षों के लिए आचार्य के रुप में अनुभव या एक प्रतिष्ठित अनुसंधान या शैक्षणिक प्रशासनिक संगठन में शैक्षणिक नेतृत्व के साक्ष्य के साथ **10** बर्षों के अनुभव के साथ एक विशिष्ट शिक्षाविद होना चाहिए।

● इस विज्ञापन में आवेदन प्राप्ति की समापन तिथि पर **65** बर्ष की आयु से अधिक आयु का नहीं होना वांछनीय।

वेतन और सेवा शर्तें

● इस पद पर **Rs. 2,10,000/-** रुपये (निश्चित) प्रतिमाह के साथ **Rs. 11,250/-** रुपये का विशेष भत्ता और अन्य सामान्य भत्तों का भुगतान होता हैं।

● सेवाओं की निबंधन और शर्तें वह होंगी जो विश्वविद्यालय के अधिनियम एवं सांविधियों तथा अध्यादेशों में दी गई है।

नियुक्ति हेतु प्रक्रिया

● यह नियुक्ति ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, **2009** के प्रावधानों के अंतर्गत गठित एक समिति द्वारा सिफारिश किए गए नामों के एक पैनल में से की जाएगी।

● यह विज्ञापन और आवेदन का प्रपत्र वेबसाइट **https://www.education.gov.in** और **https://www.cuo.ac.in** पर उपलब्ध है।

निर्धारित प्रोफर्मा में आवेदन इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से **30** दिन के भीतर रेजिस्ट्री/स्पीड पोस्ट द्वारा निम्न पते पर पहुंचने चाहिए:

अवर सचिव (केंद्रीय विश्वविद्यालय - IV डेस्क)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय
कमरा संख्या 216-D, 'D' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

लिफाफे पर "कुलपति के पद हेतु आवेदन - ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय", उपरलिखित होना चाहिए।
यह विभाग डाक विलंब हेतु जिम्मेदार नहीं।

कुशलता व विवेक के साथ करें सोशल मीडिया का प्रयोग : प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेवि में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत वेबिनार का आयोजन

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत की समृद्ध संस्कृति एवं विरासत पर सोशल मीडिया अभियान विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमें अपनी भाषा व पुरातन संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। भाषा के माध्यम से हम अपनी मूल्यों व सभ्यता को संजोकर रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हमें आजादी पाने के लिए हुए संघर्ष और बलिदान की स्मरण कराता है। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों व युवाओं का दायित्व है कि वे आजादी के साहित्य का गहन अध्ययन करें और उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेज कर रखे ताकि वे इससे प्रेरणा लेकर देश की प्रगति में सहभागी बन सकें। कुलपति ने अपने संबोधन में सोशल मीडिया की तुलना दो धारी तलवार से की और उसके प्रयोग में विवेक व कुशलता

बरतने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि हमें सोशल मीडिया का प्रयोग करते हुए डिजिटल लिटरेसी की तरफ पारंगत होने की जरूरत है।

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित इस वेबिनार में रिलाइंस इंडस्ट्री के मुख्य मीडिया अधिकारी उमेश उपाध्याय, राज्यसभा टीवी के पूर्व निदेशक राजेश बादल तथा हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपनिदेशक डॉ. विरेंद्र सिंह चौहान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहें। आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। वेबिनार में विशेष वक्ता उमेश उपाध्याय ने कहा कि भारत में डिजिटल मिडिया व सोशल मीडिया में पिछले एक दशक से एक क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। आज समाज का हर व्यक्ति सोशल मीडिया से जुड़ना चाहता है लेकिन इसके लिए जरूरी है कि सोशल मीडिया के संदर्भ में भी आदर्श आचार संहिता निर्धारित की जाए। राज्यसभा टीवी के पूर्व निदेशक राजेश बादल ने कहा कि लाइव टेलिकास्ट का एक रूप महाभारत के युद्ध के दौरान भी देखने को मिला जब हरियाणा के कुरूक्षेत्र में लड़े गए इस युद्ध का आंखों देखा हाल धृतराष्ट्र को सुनाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा की संस्कृति व विरासत बेहद समृद्ध है और राखीगढ़ी तथा कुरूक्षेत्र इसके प्रत्यक्ष उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की संस्कृति किसी भी संस्कृति व सभ्यता को अपने अंदर समा लेती है। हरियाणवी संस्कृति वीरता व शौर्य का उदाहरण है। ओलम्पिक तथा पैरालंपिक में भारत का प्रदर्शन इसका ताजा उदाहरण हैं।

हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपनिदेशक डॉ. विरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि हम सभी सबका साथ, सबका विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखकर अपनी संस्कृति को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए प्रयास करें। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन आलेख एस. नायक ने किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक आचार्य डॉ. ऋषि कांत कुमार ने किया। वेबिनार के आयोजन में डॉ. सुरेंद्र ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी तथा शिक्षण संस्थानों से प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

कुशलता व विवेक के साथ करें सोशल मीडिया का प्रयोग : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ में भारत की समृद्ध संस्कृति एवं विरासत पर सोशल मीडिया अभियान विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमें अपनी भाषा व पुरातन संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। भाषा के माध्यम से हम अपनी मूल्यों व सभ्यता को संजोकर रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हमें आजादी पाने के लिए हुए संघर्ष और बलिदान की स्मरण कराता है। विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित इस वेबिनार में रिलायंस इंडस्ट्री के मुख्य मीडिया अधिकारी उमेश उपाध्याय, राज्यसभा टीवी के पूर्व निदेशक राजेश बादल तथा हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपनिदेशक डा. विरेंद्र सिंह चौहान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहें। आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। वेबिनार में विशेष वक्ता उमेश उपाध्याय ने कहा कि भारत में डिजिटल मीडिया व सोशल मीडिया में पिछले एक दशक से एक क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। आज समाज का हर व्यक्ति सोशल मीडिया से जुड़ना चाहता है लेकिन इसके लिए जरूरी है कि सोशल मीडिया के संदर्भ में भी आदर्श आचार संहिता निर्धारित की जाए। राज्यसभा टीवी के पूर्व निदेशक राजेश बादल ने कहा कि लाइव टेलिकास्ट का एक रूप महाभारत के युद्ध के दौरान भी देखने को मिला। जब हरियाणा के कुरुक्षेत्र में लड़े गए इस युद्ध का आंखों देखा हाल धृतराष्ट्र को सुनाया। हरियाणा ग्रंथ अकादमी के उपनिदेशक डॉ. विरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि हम सभी सबका साथ, सबका विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखकर अपनी संस्कृति को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए प्रयास करें।

हकेंवि में आयोजित वेबिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● साभार संस्था

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन आलेख एस. नायक ने किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन सहायक आचार्य डा. ऋषि कांत कुमार ने किया। वेबिनार के आयोजन में डा. सुरेंद्र ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी तथा शिक्षण संस्थानों से प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

'उत्कृष्टता की प्राप्ति के लिए कुशल नेतृत्व के साथ सामूहिक प्रयास आवश्यक: प्रो. टंकेश्वर कुमार'

हकेंवि में ए.आई.सी.टी.ई. के सहयोग से ऑनलाइन अटल एफ.डी.पी. की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़, 6 सितम्बर (मोहन, परमजीत): कुशल नेतृत्व और सामूहिक प्रयास किसी भी कार्य की सिद्धी के लिए बेहद आवश्यक है। यह वह माध्यम है जिनके द्वारा उत्कृष्टता को प्राप्त किया जा सकता है। इंजीनियरिंग हो या फिर शिक्षा के संबंधित अन्य क्षेत्र, सभी में कुशल नेतृत्व और सामूहिक प्रयासों से गुणवत्तापूर्ण परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी द्वारा आयोजित ऑनलाइन अटल एफ.डी.पी. के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एम.आई.सी.टी.ई.) के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी द्वारा ए.आई.सी.टी.ई. ट्रेनिंग एंड लर्निंग एकैडमी (अटल) के अंतर्गत आयोजित इस ऑनलाइन फैकल्टी डिवैल्पमैंट प्रोग्राम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

हकेंवि में ए.आई.सी.टी.ई. के सहयोग से आयोजित ऑनलाइन अटल एफ.डी.पी. को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

कुलपति ने विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए नेतृत्व क्षमता और सामूहिक प्रयासों के महत्व से अवगत करवाया और बताया कि हमारे समक्ष कोरोना काल में इन दोनों ही गुणों के माध्यम से प्राप्त सफलता का प्रत्यक्ष उदाहरण उपलब्ध है। वैश्विक महामारी कोरोना से निपटने के लिए जिस तरह से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सभी देशवासियों ने सामूहिक प्रयास किए हैं वह उल्लेखनीय हैं। भारत विश्व का सर्वाधिक वैक्सीनेशन करने वाला देश है। उन्होंने अपने संबोधन में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए इस आयोजन के लिए निर्धारित विषय को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि आज के समय में गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के लिए इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम बेहद उपयोगी हैं।

कुलपति ने ए.आई.सी.टी.ई. के अटल प्रयास का भी विशेष रूप से उल्लेख किया और उसके माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जारी प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रो. राजीव कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित विषय लीडरशिप एंड टीमवर्क फॉर एजुकेशन एक्सीलैंसी को मौजूदा समय में बेहद सार्थक बताया। उन्होंने कहा कि ए.आई.सी.टी.ई. अपने प्रयासों से निरंतर तकनीकी शिक्षा के मोर्चे पर नवाचार, अनुसंधान, तकनीकी प्रशिक्षण तथा इंडस्ट्री के साथ मिलकर वर्तमान व भविष्य के लिए कुशल श्रम शक्ति के विकास हेतु प्रयासरत है। उन्होंने इन कोशिशों के अंतर्गत शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल के अधिष्ठाता डा. राजेश कुमार दुबे ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ऑनलाइन अटल एफडीपी आ

लीडरशिप एंड टीमवर्क फॉर एजुकेशन एक्सीलेंस विषय पर हो रहा है आयोजन

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़: हकेवि महेंद्रगढ़ एआईसीटीई के ट्रेनिंग एंड लर्निंग अकेडमी के सहयोग से आगामी 6 सितंबर से फैकल्टी डेवलमेंट प्रोग्राम का आयोजन करने जा रहा है। लीडरशिप एंड टीमवर्क फॉर एजुकेशन एक्सीलेंस विषय पर केंद्रित यह एफडीपी ऑनलाइन माध्यम से एक सप्ताह तक चलेगी। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि, "एआईसीटीई के अंतर्गत आने वाले संस्थानों के शिक्षकों, शोधार्थियों, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के साथ- साथ इस आयोजन में विभिन्न इंडस्ट्री व सरकारी संस्थानों से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी भी शामिल होंगे और अवश्य ही उनकी क्षमताओं के विकास व विस्तार में मदद मिलेगी। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सह- आचार्य व एफडीपी के संयोजक डॉ. अजय कुमार बंसल व डॉ. विकास गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों को उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। एआईसीटीई अटल अकेडमी के सहयोग के माध्यम से प्रतिभागी संकाय सदस्यों को ऐसा ही अवसर प्रदान किया जा रहा है। एआईसीटीई का उद्देश्य शिक्षकों को एक्सेस, इक्विटी और क्वालिटी जैसे उच्च शिक्षा के लक्ष्यों को हासिल करने को सशक्त बनाना है। इस एफडीपी का उद्देश्य शिक्षकों और प्रशासकों में शिक्षण, प्रशिक्षण, संचार और नेतृत्व कौशल का उन्नयन करना है। कार्यक्रम प्रतिभागियों को शिक्षकों की बदलती भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए एक विकसित करने और उसी के लिए तैयार करने में सक्षम बनाता है।

पंजाब केसरी
MON,06 SEPTEMBER 2021
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 2

'हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ऑनलाइन अटल एफ.डी.पी. आज से'

'लीडरशिप एंड टीमवर्क फॉर एजुकेशन एक्सीलैंस' विषय पर हो रहा है आयोजन

महेंद्रगढ़, 5 सितम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.) के ट्रेनिंग एंड लर्निंग एकैडमी के सहयोग से आगामी 6 सितम्बर से फैकल्टी डिवैल्पमैंट प्रोग्राम (एफ.डी.पी.) का आयोजन करने जा रहा है। 'लीडरशिप एंड टीमवर्क फॉर एजुकेशन एक्सीलैंस' विषय पर केंद्रित यह एफ.डी.पी. ऑनलाइन माध्यम से एक सप्ताह तक चलेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि 'ए.आई.सी.टी.ई. के अंतर्गत आने वाले संस्थानों के शिक्षकों, शोधार्थियों, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के साथ-साथ इस आयोजन में विभिन्न इंडस्ट्री व सरकारी संस्थानों से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी भी शामिल होंगे और अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से उनकी

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

क्षमताओं के विकास व विस्तार में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी में सह-आचार्य व एफ.डी.पी. के संयोजक डा. अजय कुमार बंसल व डा. विकास गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाकर, उच्चतम नैतिक मानकों का समर्थन करते हुए संकाय सदस्यों को उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ए.आई.सी.टी.ई. अटल एकैडमी के सहयोग आयोजित इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागी संकाय सदस्यों को ऐसा ही अवसर प्रदान किया जा रहा है।

ए.आई.सी.टी.ई. के इस आयोजन के पीछे का उद्देश्य शिक्षकों को एक्सैस, इक्विटी और क्वालिटी जैसे उच्च शिक्षा के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सशक्त बनाना है। इस एफ.डी.पी. का उद्देश्य शिक्षकों और प्रशासकों में शिक्षण, प्रशिक्षण, संचार और नेतृत्व कौशल का उन्नयन करना है। कार्यशाला को विशेषज्ञों के साथ अत्यधिक संवादात्मक तरीके से डिजाइन किया गया है।

हकेंविवि में सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम आज से

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के ट्रेनिंग एंड लर्निंग एकेडमी के सहयोग से 6 सितंबर से सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन करेगा। लीडरशिप एंड टीमवर्क फॉर एजुकेशन एक्सीलेंस विषय पर आधारित यह एफडीपी ऑनलाइन माध्यम से एक सप्ताह तक चलेगी।

प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसमें एआईसीटीई के अंतर्गत आने वाले संस्थानों के शिक्षकों, शोधार्थियों, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के साथ-साथ विभिन्न इंडस्ट्री, सरकारी संस्थानों से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी भी शामिल होंगे।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सह आचार्य व एफडीपी के संयोजक डॉ. अजय कुमार बंसल, डॉ. विकास गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाकर, उच्चतम नैतिक मानकों का समर्थन करते हुए संकाय सदस्यों को उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस आयोजन के पीछे का उद्देश्य शिक्षकों को एक्सेस, इक्विटी और क्वालिटी जैसे उच्च शिक्षा के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सशक्त बनाना है। कार्यक्रम से शिक्षकों और प्रशासकों में शिक्षण, प्रशिक्षण, संचार और नेतृत्व कौशल का विकास होगा। प्रतिभागियों को शिक्षकों की बदलती भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के लिए विकसित करने और उसी के लिए तैयार करने में सक्षम बनाता है।

केंद्रीय विवि में नए सत्र में दाखिले के लिए आवेदन का आज अंतिम दिन

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़: हरियाणा केंद्रीय विवि के शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए 16 अगस्त से जारी दाखिले के लिए आवेदन की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुँच गई है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 05 सितम्बर, 2021 है तथा ऑनलाइन आवेदन शुल्क 06 सितम्बर, 2021 तक किया जा सकता है। विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक व स्नातकोत्तर की 1670 सीटों पर दाखिले केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयू-सीईटी) 2021 के आधार पर हो रहे हैं।

आवेदन प्रक्रिया के बाद स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आगामी 15, 16, 23 व 24 सितम्बर, 2021 को कम्प्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयू-सीईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि इस बार सीयू-सीईटी-2021 का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के द्वारा किया जा रहा है। इस परीक्षा के अंतर्गत 12 केंद्रीय विश्वविद्यालय शामिल हो रहे हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इस बार इंटिग्रेटेड बी.एससी. एम.एससी. भौतिकी, रसायन विज्ञान व गणित के नए पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। विश्वविद्यालय स्नातक कोर्स के लिए 458, स्नातकोत्तर कोर्स के लिए 1122 तथा इंटिग्रेटेड बी.एससी. एम.एससी. पाठ्यक्रमों में 90 सीटों के लिए दाखिले करेगा।

प्रवेश परीक्षा हेतु इच्छुक आवेदक व उनके अभिभावक www.cucet. nta.nic.in व www.nta.ac.in पर लॉगइन कर सकते हैं। इसके अलावा आवदेक हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की वेबसाइट से भी प्रवेश परीक्षा के लिए पाठ्यक्रमों एवं आवेदन से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पंजाब केसरी
SAT,04 SEPTEMBER 2021
EDITION: REWARI KESARI, PAGE NO. 3

'हकेंवि परिसर में चलाया गया स्वच्छता अभियान'

महेंद्रगढ़, 3 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 1 सितम्बर से शुरू स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान में विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागी बढ़-चढ़कर योगदान दे रहे हैं। पखवाड़े के दूसरे व तीसरे दिन कुलपति कैंप कार्यालय के आसपास, हर्बल गॉर्डन व विश्वविद्यालय के गेट नंबर एक पर विशेष स्वच्छता अभियान के तहत सफाई की गई। स्वच्छता पखवाड़े के लिए नोडल ऑफिसर नियुक्त सह आचार्य डा. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि स्वच्छता अभियान के अंतर्गत आयोजित इन गतिविधियों के समन्वयक सह आचार्य डा. विकास गर्ग और सहायक आचार्य डा. नम्रता ढाका रहीं।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का भवन। (मोहन)

इसी तरह इस प्रयास में सह आचार्य व विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव डा. मनोज कुमार सिंह व अनुभाग अधिकारी सत्यपाल मलिक ने भी अपना योगदान दिया। दो दिनों की इस गतिविधि के अंतर्गत प्रात:काल में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने निर्धारित क्षेत्र की सफाई की। नोडल आफिसर ने बताया कि 15 सितम्बर तक इसी तरह विभिन्न स्थानों पर विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन-आफलाइन आयोजन स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु किए जाएंगे और स्वच्छता के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

हकेंविवि में बिना विज्ञापन और इंटरव्यू के लगाए एसो. प्रोफेसर

9 से 10 केस आए सामने, यूजीसी एवं केंद्रीय शिक्षा विभाग मिलकर कर रहे हैं कार्रवाई

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) का नया कारनामा सामने आया है। विवि प्रशासन ने बिना विज्ञापन जारी किए तथा बिना इंटरव्यू के एसोसिएट प्रोफेसर लगा दिए। कुछ लोगों ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के पास विवि प्रशासन के खिलाफ शिकायत की हुई है जिसकी जांच यूजीसी और केंद्रीय शिक्षा विभाग कर रहा है।

जांच में विवि प्रशासन को भर्ती का जारी किया गया विज्ञापन दिखाना होगा। इसकी रिपोर्ट लगभग एक महीने में आएगी। जांच के बाद ही वास्तविकता का पता चल पाएगा। इसके अलावा कुछ अन्य जांचें भी यूजीसी की ओर से की जा रही हैं।

बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा बनाए राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग की टीम 18 अगस्त को डॉ. सुधा यादव के नेतृत्व में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान शिकायतकर्ता से उनकी शिकायतें सुनीं। इसके अलावा विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों ने शिकायत कर्ताओं के दस्तावेज भी दिखाए।

लगभग पांच घंटे तक चली जांच के बाद आयोग ने इस रिपोर्ट शिक्षा मंत्रालय को सौंप दिया था। टीम में डॉ. सुधा यादव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव डॉ.जीसी चौहान, केंद्र के शिक्षा मंत्रालय के निदेशक विश्वजीत, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की ओर से वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजेश यादव, सदस्य कौशलेंद्र पेटल, वरिष्ठ सलाहकार एडवोकेट हर्षित, आयोग के चेयरमैन के निजी सचिव दिनेश साहनी शामिल थे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय भवन। संवाद

पद भरने के लिए विज्ञापन निकालना जरूरी

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग की सदस्य डॉ. सुधा यादव ने बताया कि किसी भी विश्वविद्यालय को शिक्षकों या अन्य स्टाफ की भर्ती के लिए यूजीसी की अनुमति आवश्यक होती है। उसके बाद विवि को विज्ञापन जारी करना होता है। बाद में इंटरव्यू भी लिया जाता है। इस प्रक्रिया के तहत भर्ती की कार्रवाई पूरी करनी होती है लेकिन हकेंविवि में 9-10 लोग एसोसिएट प्रोफेसर ऐसे लगे हुए है जिनकी भर्ती का न तो विज्ञापन जारी किया और न ही उनका इंटरव्यू हुआ। जिसकी जांच चल रही है। इसके अलावा रोस्टर की भी जांच चल रही है।

एडहॉक पर लगे शिक्षकों को नहीं दिया था प्रमोशन

डॉ. सुधा यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय खोले जाने के बाद कुछ टीचर्स एडहॉक(कार्यवाहक) पर लगाए गए थे। बाद में भर्ती निकलने पर वो स्थायी हो गए थे। इस दौरान कुछ शिक्षक प्राइवेट विवि और कॉलेज से आकर लगे थे। प्रमोशन के दौरान हकेंविवि प्रशासन ने प्राइवेट विवि और कॉलेज से आए शिक्षकों को उनकी पीछे की नौकरी दिखाकर प्रमोशन दे दिया गया जबकि एडॉक पर तीन वर्ष काम किया शिक्षकों का अनुभव सर्विस रिकॉर्ड में नहीं जोड़ा और उनका प्रमोशन नहीं दिया गया था। आयोग ने इसकी जांच कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को दी थी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उनकी यह समस्या हल कर दी है। उनकी एडहॉक पर लगी सर्विस अब जोड़ी जाएगी। इसके लिए शिक्षकों के दस्तावेज भी मंगवाए गए हैं।

> 9-10 लोग बिना विज्ञापन जारी किए और बिना इंटरव्यू के लग जाना चिंता का विषय है जिसमें ओबीसी का एक भी उम्मीदवार नहीं है। इसकी शिकायत हमारे पास आई हुई है। इसकी जांच एचआरडी मिनिस्ट्री और यूजीसी के द्वारा की जा रही है। जांच में एक-एक चीज चेक की जाएगी। एक महीने में इसकी रिपोर्ट आएगी।
>
> **-सुधा यादव, सदस्य, राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग।**

'हकेंवि में दाखिले के लिए 5 तक बढ़ी आवेदन की तिथि'

महेंद्रगढ़, 1 सितम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए 16 अगस्त से जारी दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 1 से बढ़ाकर 5 सितम्बर कर दी गई है जबकि ऑनलाइन आवेदन शुल्क 6 सितम्बर तक जमा करवा जा सकता है। विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक व स्नातकोत्तर की 1670 सीटों पर दाखिले केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सी.यू.-सी.ई.टी.) 2021 के आधार पर हो रहे हैं। आवेदन प्रक्रिया के बाद स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आगामी 15, 16, 23 व 24 सितम्बर को कम्प्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले कर रहा है। प्रवेश परीक्षा हेतु इच्छुक आवेदक व उनके अभिभावक www.cucet.nta.nic.in व www.nta.ac.in पर लॉगइन कर सकते हैं।

हकेंवि में दाखिले के लिए पांच सितंबर तक बढ़ाई गई आवेदन की तिथि

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए 16 अगस्त से जारी दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि एक सितंबर से बढ़ाकर पांच सितंबर कर दी गई है, जबकि आनलाइन आवेदन शुल्क छह सितंबर तक जमा करवा जा सकता है। विवि में उपलब्ध स्नातक व स्नातकोत्तर की 1670 सीटों पर दाखिले केंद्रीय विवि संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2021 के आधार पर हो रहे हैं। आवेदन प्रक्रिया के बाद स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आगामी 15, 16, 23 व 24 सितंबर को कम्प्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विवि के सीयू-सीईटी के नोडल आफिसर डा. फूल सिंह ने बताया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के द्वारा आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि एक सितंबर से बढ़ाकर पांच सितंबर कर दी गई है, जबकि आवेदन शुल्क छह सितंबर तक आनलाइन माध्यम से जमा करवाया जा सकता है। डा. फूल सिंह ने बताया कि विवि इस प्रवेश परीक्षा के माध्यम से स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले कर रहा है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन ● साभार हकेंवि

अर्थव्यवस्था के विकास के लिए तकनीक का योगदान अहम : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़| हकेवि, महेंद्रगढ़ में मंगलवार को आजादी के बाद से भारत में आर्थिक रूपांतरण विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इंडियन इकॉनोमिक एसोसिएशन के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा आयोजित इस वेबिनार को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत की पुरातन संस्कृति और उसके आर्थिक स्वरूप का उल्लेख करते हुए बताया कि उस दौर में भी भारत विश्व भर में आर्थिक विकास के केंद्र के रूप में स्थापित था। कुलपति ने इस अवसर पर अर्थव्यवस्था के विकास हेतु नवाचार, तकनीकी विकास के मोर्चे पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

WEBINAR ON ECONOMY TRANSFORMATION

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH) organised a webinar over "Economic transformation of India since Independence". Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar while referring to the ancient culture of India and its economic nature said even in that period India was established as the centre of economic development around the world. He emphasised on the need of giving special attention to the innovative and technological front for the development of the economy.

The Tribune Wed, 01 September 202
https://epaper.tribun

हकेवि में इंडियन इकनोमिक एसोसिएशन के सहयोग से विशेषज्ञ वेबिनार

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति छात्रों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी

- भारत की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कौशल विकास प्रदान करती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। आनलाइन कार्यक्रम में उपस्थित वक्ता। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को आजादी के बाद से भारत में आर्थिक रूपांतरण विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इंडियन इकनोमिक एसोसिएशन के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा आयोजित इस वेबिनार को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत की पुरातन संस्कृति और उसके आर्थिक स्वरूप का उल्लेख करते हुए बताया कि उस दौर में भी भारत विश्वभर में आर्थिक विकास के केंद्र के रूप में स्थापित था। कुलपति ने इस अवसर पर अर्थव्यवस्था के विकास हेतु नवाचार, तकनीकी विकास के मोर्चे पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई और कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन इकनोमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष व भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के सदस्य सचिव प्रो. वीके मल्होत्रा भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने संबोधन में आर्थिक मोर्चे पर आजादी के बाद से आए बदलावों और उससे सामान्य मानविकी के जीवन में पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है। कुलपति ने इस मौके पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करती है और यह उन्हें भारत की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कौशल विकास प्रदान करती है। कुलपति ने स्टार्टअप इंडिया और वोकल फॉर लोकल का भी उल्लेख किया और कहा कि यह कुछ ऐसे प्रयास है। जिससे आम व्यक्ति भारत की अर्थव्यवस्था के विकास में सहयोग दे सकता है। इंडियन इकनोमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. वीके मल्होत्रा ने अपने संबोधन में पुरातन भारत से आधुनिक भारत तक भारतीय अर्थव्यवस्था के वस्तु स्वरूप व विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि भारत किस तरह से प्रगति कर रहा है। वेबिनार में विशिष्ट वक्ता गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रो. एनके बिश्नोई ने संबोधित किया और आजादी के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था में आए विभिन्न बदलावों के विषय में चरणबद्ध ढ़ंग से जानकारी दी। आयोजन में मुख्य वक्ता यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ बंगाल, दार्जिलिंग के प्रो. केके बागची ने आंकड़ों के माध्यम से आजादी के बाद भारत में आए आर्थिक बदलावों का उल्लेख किया और हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, शिक्षा व सूचना का अधिकार के बाद नई शिक्षा नीति से होने वाले बदलवों पर भी ध्यान आकर्षित किया। इंडियन इकनोमिक एसोसिएशन के सचिव प्रो. डीके मदान ने अपने संबोधन में विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला और बताया कि भारत किस तरह से आर्थिक मोर्चे पर प्रगति कर रहा है।

कार्यक्रम की शुरूआत कुलगीत से

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों का स्वागत अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रंजन अनेजा ने किया। कार्यक्रम के अंत में आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल आफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने विशेष रूप से विश्वविद्यालय के कुलपति का आभार जताया। साथ ही उन्होंने वेबिनार के निदेशक डॉ. आनंद शर्मा व अर्थशास्त्र विभाग के शिक्षकों डॉ. अजित कुमार साहु, डॉ. रेनु, डॉ. रश्मि तंवर का भी धन्यवाद किया, जिनके प्रयासों से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन हो सका। इस अवसर पर विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक प्रभारी, शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी सहित विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

हकेंवि में नए सत्र में दाखिले के लिए आवेदन का आज अंतिम दिन

स्नातक, स्नातकोत्तर की 1670 सीटों पर हो रहे दाखिले

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए 16 अगस्त से जारी दाखिले के लिए आवेदन की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि एक सितंबर है तथा आनलाइन आवेदन शुल्क दो सितंबर तक दिया जा सकता है। विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक व स्नातकोत्तर की 1670 सीटों पर दाखिले केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयू-सीईटी) 2021 के आधार पर हो रहे हैं। आवेदन प्रक्रिया के बाद स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आगामी 15, 16, 23 व 24 सितंबर को कंप्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएगी।

दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयू-सीईटी के नोडल आफिसर डा. फूल सिंह ने बताया कि इस बार सीयू-सीईटी-2021 का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के द्वारा किया जा रहा है। इस परीक्षा के अंतर्गत 12 केंद्रीय विश्वविद्यालय शामिल हो रहे हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इस बार इंटिग्रेटेड बीएससी एमएससी भौतिकी, रसायन विज्ञान व गणित के नए पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। विश्वविद्यालय स्नातक कोर्स के लिए 458, स्नातकोत्तर कोर्स के लिए 1122 तथा इंटिग्रेटेड बीएससी एमएससी पाठ्यक्रमों में 90 सीटों के लिए दाखिले करेगा। प्रवेश परीक्षा के लिए इच्छुक आवेदक व उनके अभिभावक लागइन कर सकते हैं। इसके अलावा आवेदक हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की वेबसाइट से भी प्रवेश परीक्षा के लिए पाठ्यक्रमों एवं आवेदन से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सीयू-सीईटी-2021 के तहत विश्वविद्यालय

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय
केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय
राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय
दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय
तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय
आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
असम विश्वविद्यालय सिलचर

बाबा साध सेवा स्थल में कीर्तन व भंडारा कराया

संवाद न्यूज एजेंसी

आकोदा। बाबा साध सेवा समिति एवं ग्रामीणों के सहयोग से चल रहे मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अंतिम दिन बाबा साध सेवा स्थल पर भव्य भजन कीर्तन, भंडारा किया गया। इसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली के कुलपति टंकेशवर रहे।

उन्होंने कहा कि यहां पहाड़ी क्षेत्र को देखते हुए पैराग्लाइडिंग की काफी संभावना है। कार्यक्रम की शुरूआत हवन के साथ हुई। इसमें कृष्ण शास्त्री गोकुल शास्त्री समेत कई पंडितों ने हवन संपन्न करवाया। कार्यक्रम में पहुंचे हल्का महेंद्रगढ़ के विधायक राव दान सिंह ने प्रसाद वितरण के लिए बनी टीन शेड का रिबन काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ भिवानी लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मवीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी भी पहुंचे।

बाबा साध सेवा समिति के प्रधान तेजपाल यादव,

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अतिथि।

कोषाध्यक्ष नरेश ठेकेदार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन मास्टर राजेंद्र यादव ने किया। इस मौके पर संतोष पीटीआई, प्रधान तेजपाल यादव, नरेश ठेकेदार, पूर्ण सिंह, पूर्व सरपंच वेदपाल ,अजय पाल ,मास्टर नवीन यादव ,मास्टर भूपेंद्र सिंह, वेद सिंह, संजय, जगदीश, मास्टर राकेश, अशोक, कालू, लाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, पूर्ण सिंह, कर्ण सिंह, गोलिया, मास्टर राजेंद्र यादव, इंद्रपाल, जितेंद्र लखेरा, कर्मवीर सैनी, महेंद्र सिंह, रणवीर सैनी आदि रहे।

NATIONAL NUTRITION MONTH

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh is celebrating "National Nutrition Month". Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar, flagging off the rally on the awareness of month on the university campus, suggested various slogans to the gathering such as "Let food be the medicine, otherwise medicine will be your food", "Don't fill your tummy" and many more. This event was organised by the department of nutrition biology under school of interdisciplinary and applied sciences. Dean school of interdisciplinary and applied sciences Prof Neelam Sangwan briefed that during the celebration from September 28 to 30, the department would conduct extensive activities, including poster making, essay writing, slogan writing, debate and rally on various nutrition themes.

The Tribune Thu, 30 September 2021
https://epaper.tribuneindi